RJ-02

June - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - RJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ' , 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै मंड्योड़ा निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर लिखौ।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा जवाब देवण जरूरी है। आपरै जवाब री सीमा अधिकतम 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) चावी रचना 'द्रौपदी विनय' रा रचनाकार कुण है।

(ii) प्रसिद्ध कवि चन्द्रसिंह री किणी दो रचनावां रौ नांव लिखौ।

(iii) 'सैनाणी'' रा रचनाकार कुण है?

(iv) नारायणसिंह भाटी री किण दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(v) मनोहर शर्मा रचित किणी दो काव्यपोथियां रा नांव लिखौ।

(vi) ''चतुर चिन्तामणी'' रा रचनाकार कुण है?

(vii) गजानन वर्मा री किणी दो चावी रचनावां रा नांव लिखौ।

(viii) प्रेमजी प्रेम रचित किणी दो काव्य पोथियां रा नांव लिखौ।

(ix) ''सुत मरियो हित देस रै, हरख्यो बंधु समाज । मां नह हरखी जनम दे, जितरी हरखी आज ।'' आं ओळियां रा रचयिता कवि कुण है?

(x) रामेश्वरदयाल श्रीमाळी री दो काव्य रचनावां रौ नावं लिखौ।

खण्ड – ब **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रै किणी चार सवालां रा पडूत्तर 200 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) आधुनिक राजस्थानी प्रबन्ध काव्य परम्परा माथै जाणकारी लिखौ।

3) क्रांतिकारी कवि संकरदान सामौर रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

4) केसरी सिंह बारहठ रचित 'चेतावणी रा चूंगट्या'' रौ भागवत संदेश स्पष्ट करौ।

5) चावा कवि प्रेमजी प्रेम रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

6) कवि गोरघनसिंह शेखावत रै काव्य सिरजण बाबत जाणकारी उजागर करौ।

7) कवि भगवतीलाल व्यास री काव्य रचनावां रौ परिचै देवौ।

8) केसरी सिंह बार हठ रचित चावी रचना ''राजा–प्रजा संवाद' रौ भागवत संदेश उजागर करौ।

9) आधुनिक राजस्थानी प्रगतीशील काव्यधारा बाबत सांतरी जाणकारी उजागर करो।

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रै किणी दो सवालां रा पडूत्तर 500 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) आधुनिक राजस्थानी काव्य रौ जुगीन दरसाव उजागर करता थकां खास – खास कवियां अर उणारी रचनावां रौ परिचै देवौ।

11) कवि गिरधारी सिंह पड़िहार रै काव्य सिरजण री विस्तार साथै विवेचना करौ।

12) चावा कवि गोरघनसिंह शेखावत री काव्य रचनावां री विस्तार साथै समीक्षा करौ।

13) कवि भगवतीलाल व्यास री काव्य पोथियां रौ परिचै देवता थकां उणारी काव्यगत विसेसतावा उजागर करौ।